जवाब दो!!!
सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

रेफरेंस संख्या –2020/syst/03 E-Newsletter, Issued in Public Interest मंगलवार 14 अप्रैल 2020

भाजपा ने पूछा- मंत्री के बेटे ने कलेक्टर के साथ किस हैसियत से की पीसी

भास्कर न्यूज | जयपुर

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री रघु शर्मा एक बार फिर से विवादों में आ गए हैं।

भाजपा ने उन पर सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। रघु शर्मा के बेटे सागर शर्मा अजमेर में अजमेर के कलेक्टर, एसएसपी और सीएमओ के साथ कल प्रेस कॉन्फ्रेंस में बैठे हुए दिखे। भाजपा ने इसे सियासी मुद्दा बना दिया है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने सरकार पर निशाना साधा है। सवाल किया कि स्वास्थ्य मंत्री के बेटे ने अजमेर कलेक्टर के साथ किस हैसियत से, किस संवैधानिक व्यवस्था के तहत प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया है? कांग्रेस सरकार के राज में सत्ता और सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग हो रहा है।

पूनियां ने कहा कि मंत्री रघु शर्मा के बेटे सागर शर्मा न तो जनप्रतिनिधि हैं और न उनके पास कोई सरकारी पद है। सागर शर्मा कलेक्ट्रेट में जिस वाहन को लेकर पहुंचे उसपर विधायक का स्टीकर भी लगा हुआ था। पूनियां ने पूछा कि किस प्रोटोकॉल से वाहन वहां मौजूद है? जिस स्थान पर जिला कलेक्टर का वाहन खड़ा होता आया है उस स्थान पर मंत्री पुत्र का वाहन किस हैसियत से वाहन खड़ा करने की अनुमति मिली ?

मंत्री का पलटवार... भाजपा मेरे बेटे का राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है: रघु

चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा ने कहा कि पूरा राजस्थान कोरोना के संकट से

जूझ रहा हैं। हर छोटा बड़ा व्यक्ति अपने अनुसार राहत, मदद और बचाव कार्य में जुटा हुआ है। ऐसे समय में भाजपा की ओर से मेरे बेटे का राजनीतिक इस्तेमाल किया जा रहा है। इतनी बात तो हम भी समझते है। क्या राहत सामग्री बांटना कोई अपराध है। भाजपा की ओर से लगाया जा रहा आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद है। आज समय है कि सब मिलकर कोरोना पर कैसे विजय प्राप्त करें, लेकिन भाजपा ऐसा नहीं कर रही।

लॉकडाउन के प्रोटोकॉल तोड़ रहे मंत्री पुत्र: राठौड़

भाजपा के वरिष्ठ नेता और उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा स्वास्थ्य

मंत्री रघु शर्मा के पुत्र सागर शर्मा लॉकडाउन के प्रोटोकॉल को तोड़ रहे हैं। जब रघु प्रदेश के लोगों को लॉकडाउन को पालना करने की अपील कर रहे हैं। दूसरी ओर उनका बेटा एक जिले से दूसरे जिले में कैसे पहुंच रहा हैं। मंत्री का बेटे की ओर से सत्ता का दुरुपयोग किया जा रहा है। यह संगीन मामला है। राज्य सरकार को तुरंत संज्ञान लेना चाहिए।

गलत व्यवस्थाओं को पनपा रहे रघु: बेनीवाल

नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने आरोप लगाया है कि स्वास्थ्य मंत्री

रघु शर्मा आजादी से पूर्व की व्यवस्थाओं को पनपा रहे है। ऐसा करके वो जनता को क्या संदेश देना चाहते है।

उनके पुत्र अजमेर कलेक्ट्रेट में अफसरों के बीच किस हैसियत से प्रेस कांफ्रेंस की है। किस प्रोटोकॉल का आधार बनाकर आपके पुत्र ने कलेक्टर के पोर्च में गाड़ी लगाकर मीटिंग की है।

साभार:-दैनिक भास्कर मे दिनांक 22/04/2020 को प्रकाशित खबर

क्यों लोकतन्त्र म□स□मंती व्यवस्थ□ होरहीप्रश□सन पर ह□ी

राज्य के चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा के पुत्र सागर शर्मा कर रहे है अपने पिता के प्रोटोकॉल का दुरुपयोग

कोरोना महामारी के इस संकट काल मे भी राजनीति करने वाले अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे है| बेवजह अपनी हरकतों से अखबार की सुर्खियों मे आना, इन लोगो की फितरत बन गयी है|ऐसा ही मामला अजमेर मे देखने को मिला जहां पर राज्य के चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा के पुत्र सागर शर्मा अजमेर कलेक्टर,सी.एम.ओ.और एस.पी. के साथ मीटिंग मे शामिल हुए और प्रैस कोन्फ्रेंस भी की|

सागर शर्मा के इस क्रत्य को विपक्ष ने सियासी मुद्दा बना लिया है|विपक्ष का आरोप है कि मंत्री पुत्र अपने मंत्री पिता के प्रोटोकॉल का दुरुपयोग कर रहे है|नागौर सांसद बेनीवाल का कहना है कि रघु शर्मा आजादी से पूर्व कि व्यवस्थाओं को पनपा रहे है|

वहीं मंत्री रघु शर्मा का कहना है कि उनका बेटा अपने हिसाब से राहत,मदद और बचाव कार्यों मे जुटा हुआ है|विपक्ष खामखा राजनीति कर रहा है|

सड़क सुरक्षा सप्ताह

बैनर में परिवहन मंत्री की जगह चिकित्सा मंत्री के पुत्र को तवज्जो

केकड़ी (अजमेर) @ पत्रिका. परिवहन कार्यालय में मंगलवार को 31 वें सड़क सुरक्षा सप्ताह के उद्घाटन अवसर पर लगाया गया स्वागत बैनर चर्चा में रहा।

बैनर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा और उनके पुत्र सागर शर्मा की फोटो लगाई गई लेकिन विभाग के ही मंत्री प्रताप सिंह की न तो फोटो लगाई गई, न नाम दिया गया। विभाग ने समारोह को भव्य बनाने का तो प्रयास किया लेकिन स्वागत बैनर में सिंह की फोटो नहीं होना चर्चा का विषय रहा। हालांकि जिला परिवहन अधिकारी प्रकाश टहलियानी का कहना था कि सभी बैनर मुख्यालय से प्राप्त डिजाइन के आधार पर बनाए गए हैं। सागर शर्मा को समारोह में मुख्य अतिथि की हैसियत से बुलाया गया इसीलिए उनकी फोटो लग गई।

साभार:-राजस्थान पत्रिका मे दिनांक 05/02/2020 को प्रकाशित खबर

सागर शर्मा पूर्व मे भी रहे विवादों मे|

रघु शर्मा की पहचान एक दबंग नेता के रूप मे जानी जाती है|काँग्रेस के पूर्व के कार्यकाल मे जब उन्हे और प्रताप सिंह खाचरियावास को मंत्रिमंडल मे जगह नहीं दी गयी थी तो उन्होने तत्कालीन काँग्रेस सरकार कि नाक मे दम करके रख दिया था|अब जब वह मंत्री बन गए है तो भी विवादों से पीछा नहीं छूट रहा है|अभी वह अस्पताल मे हुई बच्चों की मौतों से उभरे भी नहीं थे कि कोरोना से उनका सामना हो गया|

देखा जाए तो रघु शर्मा अपने उत्तराधिकारी के रूप मे अपने पुत्र सागर शर्मा को आगे बढ़ा रहे है और इसके लिए वह अपने संवेधानिक पद का दुरुपयोग करने से भी पीछे नहीं हट रहे है|

इससे पूर्व वह इस साल हुए सड़क सुरक्षा सप्ताह के उदघाटन के लिए स्वागत बैनर मे लगे उनके पोस्टर से चर्चा मे आए थे|परिवहन विभाग द्वारा छपवाए गए इन पोस्टर्स मे परिवहन मंत्री का नाम और फोटो नहीं होकर मंत्री पुत्र के फोटो लगवाए गए थे|

राजस्थान मे राजनीति हो रही प्रशासन पर हावी

राजस्थान मे देखा गया है कि कोरोना के संकट काल मे राजनीति प्रशासन पर हावी हो रही है|राहत कार्यों मे भेदभाव किया जा रहा है|राज्य के दूर दराज के कस्बो मे ही नहीं राज्य कि राजधानी जयपुर मे भी इस तरीके से हो रही राजनैतिक दखलंदाज़ी से स्थानीय प्रशासन खुले तौर पर काम नहीं कर पा रहा है|चाहे वह जयपुर के चारदीवारी के विधायक हो या चित्तौड़ के बेगुं विधायक हो,सभी प्रशासन के सामने अपनी मनमानी कर रहे है|

आखिर क्यों प्रशासनिक अधिकारी इन राजनेताओं के तलवे चाटते है?

देखने मे आ रहा है कि मलाईदार पोस्टों,बेवजह ट्रान्सफर का डर,और रुतबे कि चाहत के चलते प्रशासनिक अधिकारी अपने राजनेतिक आकाओं के तलवे चाटते है|चाटुकारिता मे वह इतने लीन हो जाते है कि उन्हे अपने पद कि गरिमा और प्रोटोकॉल का भी भान नहीं रहता है,जनता के सुख दुख का ख्याल रखना तो दूर कि बात है|आज के समझदार अधिकारियों ने दोनों प्रमुख पार्टियों मे अपने अपने राजनेतिक आका बना रखे है|प्रशासनिक अधिकारियो कि इस मौका परस्ती के कारण ही नेता ही नहीं उनके नाती रिश्तेदार और मुंह लगे छूटभैये नेता और कार्यकर्ता भी उन पर अपनी धौंस जमा कर चले जाते है|